e-paper : www.dailynewsactivist.com लखनऊ, सोमवार, 26 नवंबर 2018, मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष तृतीया, संवत् 2075 विक्रमी वर्ष-12, अंक-42, पृष्ठ-12, मूल्य- ₹ 2.00, नगर संस्करण

शब्द शब्द संघर्ष

DNA

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

RNI NO.: UPHIN/2007/41982 संस्करण : लखनऊ राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक website : www.dnahindi.com डाक पंजीयन : एसएसपी/एल.डब्लू./एन.पी.-358/2016-18

जल संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया तो विश्वयुद्ध का कारण बनेगा

लखनऊ। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साईंसेज में आयोजित सोर्सेज ऑफ प्लैनेट एनर्जी एनवायर्र मेंटल एंड डिजास्टर साईंस क्लाइमेट डिस्टरबेंस एण्ड इट्स ग्लोबल इम्पैक्ट विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन पर कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सुल्तानपुर के निदेशक प्रो. जेपी ने जल संचयन एवं इसके उपयोग से अवगत कराया। कहा आगे आने वाली पीढ़ियों को इस समस्या से जूझना न पड़े। इसके लिए हमे स्वयं जागरुक होना हागा। मुख्य अतिथि तथा प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं जलपुरूष राजेन्द्र सिंह ने कहा कि यदि पूरे विश्व में जल संरक्षण पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में विश्वयुद्ध का यह कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष जब आजाद हुआ था उस समय पर्याप्त मात्रा में जल उपयोग के लिए उपलब्ध था। इसलिए नीतिनिर्धारणकर्ताओं को इसके संचय एवं समुचित दोहन पर ध्यान नहीं दिया गया। जिसके कारण दिन प्रतिदिन जल भण्डारण की क्षमता में कमी होती चली जा रही है, जो पर्यावरण के असन्तुलन का कारण बनता जा रहा है और दिन प्रतिदिन तापमान में वृद्धि होती जा रही है। बताया कि जल से ऊर्जा उत्पादित करने की पर्याप्त सम्भावनायें हैं। यदि हम इस ऊर्जा को हाइडो इंजीनियरिंग जैसी विधा से परिवर्तित कर सकें तो ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सकते हैं। संगोष्ठी के गेस्ट ऑफऑनर डॉ. डीपी सिंह, हेड ऑफ डिपार्टमेंट-इनवायरमेंटल सांइस, बीबीएयू, चीफपैटंन ई.वीबी सिंह, द इंस्ट्टियूट ऑफ इंजीनियर्स तथा डॉ. सीएम नौटियाल, सीनियर साईंटिस्ट ने अपने अलग-अलग व्याख्यानों में पूरे विश्व के औसत तापमान में लगातार वृद्धि एवं ग्रीन हाउस प्रभाव के बारे में बताया।